अमर उजाला | राजधानी | amarujala.com

यूपी के विकास में सहयात्री बनें बैंकर्स

यूपी के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार को बैंक प्रमुखों ने बताया गेम चेंजर

लखनऊ/मुंबई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के प्रमुख बैंकर्स से यूपी के विकास में सहयात्री बनने का आह्वान किया है। वे बृहस्पतिवार को मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में बैंकर्स से मुखातिब थे। बैंकर्स ने भी यूपी में हुए बदलावों, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और सुधरी कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास जताते हुए निवेश के लिए सबसे उत्तम प्रदेश बताया।

यूपी का बदलाव सराहनीय : उदय कोटक

कोटक महिंद्रा बैंक के सीईओ उदय कोटक ने कहा कि यूपी में स्थायित्व आ रहा है, कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतर हो रही है। इससे लोगों का भरोसा मजबूत हो रहा है। यूपी ने जिस तरह खुद को बदला है वह सराहनीय है। आर्थिक विकास के लिए सरकार की औद्योगिक नीतियों, 19 लाख से अधिक एमएसएमई, स्टार्टअप ने बैंकर्स के विश्वास को और मजबूत किया है।

उद्योगपतियों का बढ़ा विश्वास : दिनेश

एसबीआई के सीएमडी दिनेश कुमार खारा ने कहा कि यूपी में सेफ्टी और सिक्योरिटी के बदलाव ने औद्योगिक घरानों का विश्वास बढ़ाया है। यूपी में बीते कुछ वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर में काफी निवेश किया गया है। प्रदेश सरकार जीएसडीपी बढ़ाने के लिए कृषि के विकास के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है। प्रदेश में लॉजिस्टिक से जुड़े क्षेत्रों में एक अच्छा अवसर है।

सरकार का मुख्य फोकस विकास पर : हर्षा

एक्जिम बैंक की एमडी हर्षा बांगरी ने कहा कि यूपी के इंफ्रास्ट्रक्चर काफी बेहतर हुआ है। चाहे वो क्रिटिकल रिसोर्सेज हो या औद्योगिक विकास हो या कृषि विकास। सरकार का सारा फोकस विकास पर है।

सीएम योगी ने मुंबई में बैंकर्स से मुलाकात में किया आह्वान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में बैंकर्स से मुलाकात की। -शिन्हा

सीएम बोले, अपनों को निमंत्रण देने स्वयं आया हूं

सीएम ने देश के दिग्गज उद्योगपतियों, वित्तीय एवं बैंकिंग संस्थाओं के प्रमुखों, कारोबारियों और औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधियों से संवाद किया। इस दौरान यूपी की वाणिज्यिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक मूल्यों, परंपराओं, विविधताओं से उद्योग जगत को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि पहली बार यूपी की टीमें 16 देशों के 21 शहरों में रोड शो करने गई। विदेशों में जीआईएस-2023 का अच्छा प्रतिक्रिया मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है। इसलिए यहां अपनों को आमंत्रण देने मैं स्वयं आया हूं। बड़ी संख्या में निवेशकों की मौजूदगी देख मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी बड़ी उपस्थिति टीम यूपी के लिए उत्साहवर्धक है। यूपी में उद्योगों के लिए पहली जरूरत जमीन की कोई कमी नहीं है। सरकार के पास बड़ा लैंडबैंक उपलब्ध है।

यूपी जो कहता है वो करता है : हीरानंदानी

हीरानंदानी समूह के सीईओ दर्शन हीरानंदानी ने यूपी की नीतियों, माहौल और कार्यशैली की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि दो वर्ष से कम समय में डाटा सेंटर पार्क शुरू किया है। यूपी में न राजनीतिक और न ही अराजक तत्वों की ओर से कोई दिक्कत आई है। यूपी जो कहता है यूपी वो करता है। वहीं निरंजन हीरानंदानी ने कहा कि यूपी भ्रष्टाचार मुक्त हो गया है। उद्योगपतियों को यूपी के माहौल में काम करने का सुखद अनुभव होगा। वहीं सीआईआई के अध्यक्ष और बजाज फिनसर्व लिमिटेड के चेयरमैन संजीव बजाज ने कहा कि वह यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के इंडस्ट्री पार्टनर बनने के लिए खुद सीएम योग के पास गए थे। योगी की सोच, विजन और कार्यशैली से प्रभावित होकर खुद समिट का हिस्सा बनने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि भारत का विकास बिना यूपी के संभव नहीं है और यूपी का विकास इसलिए हो पा रहा है क्योंकि वहां योगी जैसा नेतृत्व है।

■30 फीसदी खाद्यान्न उत्पन्न कर सकते हैं

सीएम ने कहा कि यूपी के पास देश की कुल कृषि भूमि का 11 फीसदी है, लेकिन प्रदेश 20 फीसदी खाद्यान्न पैदा करता है। यदि मिलकर थोड़ा प्रयास किया जाए तो यूपी देश की कुल जरूरत का 30 फीसदी से ज्यादा खाद्यान्न उत्पादन कर सकता है। प्रदेश में एमएसएमई इकाइयों का क्लस्टर आधारित विकास किया गया है। 96 लाख एमएसएमई इकाइयां यूपी में पंजीकृत हैं।

■आज किसान खुशी से दे रहे जमीन

सीएम ने कहा कि 2017 से पहले जमीन अधिग्रहण के लिए भट्टा-परसौल में गोली कांड से सभी परिचित हैं। लेकिन उसी भूमि पर एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बना रहे हैं। इस परियोजना के चौथे फेज के लिए जमीन अधिग्रहीत हो चुकी है। किसान खुद अपनी जमीन के रजिस्ट्री कागज मुख्यमंत्री आवास पर आकर सौंप रहे हैं। पहले वहां न बेटियां सुरक्षित थीं न व्यापारी और निवेशक। लेकिन आज पूरा परिदृश्य बदल चुका है। जमीन की कोई कमी नहीं है।

यूपी सरकार की अच्छी पहल : शिव सुब्रमण्यम

सिडबी के चेयरमैन और एमडी शिव सुब्रमण्यम रमण ने कहा कि सिडबी यूपी सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। कुछ महीनों में सरकार ने एमएसएमई कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए जो पहल की है, वह शानदार है। इसमें क्रेडिट गारंटी स्कीम से लेकर माइक्रो और स्मॉल इंडस्ट्रीज के लिए ऋण जैसी सुविधाएं दी गई हैं।